Prabhat Khabar, 30.12.2020, Pg.9

आइआइएम बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में तीन कोर्स को मंजूरी

आइआइएम रांची से देश भर के नौकरीपेशा कर सकेंगे एमबीए

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

■ **पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स अगले सत्र से होगा शुरू**
बिजनेस एनालिटिक्स में नामांकन लेने की स्वीकृति

आइआइएम रांची से अब देश भर के नौकरीपेशा व बिजनेस से जुड़े लोग भी एमबीए की डिग्री हासिल कर सकेंगे. मंगलवार को आइआइएम बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी गयी. इससे पहले पीजीएक्सपी कोर्स के तहत सिर्फ झारखंड व कोलकाता के नौकरीपेशा लोग ही पढ़ाई कर पा रहे थे. आइआइएम बोर्ड ऑफ गवर्नर के अध्यक्ष प्रवीण शंकर पांड्या की अध्यक्षता में हुई बैठक में पीजीएक्सपी कोर्स को देश भर के लिए ओपेन कर दिया गया. बैठक में आइआइएम रांची में कुल तीन कोर्स शुरू करने की स्वीकृति प्रदान की गयी. इसके तहत पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड एमबीए कोर्स और बिजनेस एनालिटिक्स कोर्स भी अगले सत्र से शुरू करने की स्वीकृति प्रदान की गयी. बैठक में पीजीएक्सपी कोर्स की पढ़ाई ऑनलाइन चलाने को भी मंजूरी दी गयी. नामांकन लेनेवाले लोगों को कोर्स के दौरान तीन बार संस्थान में आना होगा. इस कोर्स में फिलहाल 30 सीटों पर नामांकन लिया जायेगा. जरूरत पड़ने पर सीटों की संख्या बढ़ायी जायेगी.

प्लस-टू के बाद पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड एमबीए कोर्स में नामांकन : किसी भी विषय से प्लस-टू करने के बाद विद्यार्थी पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड एमबीए कोर्स में नामांकन ले सकेंगे. नामांकन के लिए विद्यार्थी को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित स्कूल एप्टीट्यूड टेस्ट भी पास करना होगा. इस संस्थान में कोर्स आरंभ होने के बाद आइआइएम इंदौर, रोहतक के बाद रांची का देश में तीसरा स्थान होगा. नामांकन के लिए 150 सीटों का प्रावधान रखा गया है. 30 प्रतिशत सीटों पर लड़कियों का नामांकन होगा. इंटीग्रेटेड कोर्स में नामांकन लेने के बाद विद्यार्थी को कैट/मैट आदि परीक्षा पास करने की छूट मिलेगी. बैठक में दो वर्षीय बिजनेस एनालिटिक्स कोर्स भी अगले सत्र से आरंभ करने की स्वीकृति मिली है. इसमें नामांकन कैट के स्कोर के आधार पर लिया जायेगा. इस कोर्स में विद्यार्थियों को एनालिटिक्स और व्यावहारिक ज्ञान की शिक्षा दी जायेगी. कोर्स में डाटा विज्ञान, सांख्यिकीय मॉडलिंग, विजुलाइजेशन, बिग डेटा आदि शामिल रहेंगे. बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अगला सत्र नया सराय स्थित नये कैंपस से शुरू होगा. बैठक में निदेशक प्रो शैलेंद्र कुमार सिंह सहित 15 सदस्य उपस्थित थे.